ऐ भोले मेरे ऐ बाबा मेरे,
तुझमे निराली बात,
देता है नित नयी नयी,
भक्तों को तू सौगात।।

तर्ज ए जाने चमन।

भक्तों के हित के कारण,
बिष कंठ में धरा,
बिष पान करके तुमने,
जग को किया सनाथ,
ऐ भोलें मेरे ऐ बाबा मेरे।।

अपने भगत के कारण,
गंगा को सिर धरा,
फिर शीश से बहादी,
धरती पे गंगा मात,
ऐ भोलें मेरे ऐ बाबा मेरे।।

भक्ति मिली तेरी जिसे,
तक़दीर बन गयी,
काली अंधेरी रात को,
तूने किया प्रभात,
ऐ भोलें मेरे ऐ बाबा मेरे।।

तू है बड़ा दयालु,
कृपा बहा रहा,
राजेन्द्र के भी सिर पे,
रखदे दया का हाथ,
ऐ भोलें मेरे ऐ बाबा मेरे।।

ऐ भोले मेरे ऐ बाबा मेरे,
तुझमे निराली बात,
देता है नित नयी नयी,
भक्तों को तू सौगात।।

गीतकार / गायक राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

Source: https://www.bharattemples.com/ae-bhole-mere-ae-baba-mere/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw